

# असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1 FART III—Section 1

## श्रीवकार से प्रकासित PUBLISHED BY AUTHORITY

₹io 4]

नई बिल्ली, मंगलवार, मार्च 26, 1985/बंग 5, 1907

No. 4]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 26, 1985/CHAITRA 5, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्ता का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज मदुरै, 25 फरवरी, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (घ) (1) के अधीन सूचनाए

निदेश सं. 13/7/84—अत. मुझे, वी. एम. मुत्तुरामिनगम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 द्ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका प्रवित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि काटु,पृथूर है, जो ट्रिच्ची टिस्ट्रिक्ट में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काटु,पुथ्र लेखा मं 728/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जूलाई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह

प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखत से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और अन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 णब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शृष्ट करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अप्त: अब धारा 279-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री के एस , कदिवेंल (अन्तरक)
- (2) श्री कैप्टन, के, कृष्णन (अन्तरिती)

फार एक्स सर्वीसमैन को. आप. सोमाईटी, डायरेक्टर को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शक्त करता ह।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या।
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की मृतवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदृहारा आगे यह अधिसूचिन किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सचना दी गई है आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

#### स्पष्टीकरण:

इसमें प्रयुक्त प्रव्दों और पदोंका, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 青1

अनुमुची

कृषि भूमि--काट्ट पृथ्र, ट्रिच्चो डिस्टिस्ट काट्टुपुथूर/लेखा सं. 728/84 ।

तारी**ख** · 25-2-85 मोहर

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISI-TION RANGE

Madurai, the 25th February, 1985

Notices under Section 269D(1) of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

Ref. No. 13/7/84.--Whereas, I, V.M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section

والمستوية والمستويد والمام والمستويد والمستويد والمستويد والمستويد والمستويد والمستويد والمستويد والمستويد 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'saio Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Agrl. land situated at Kattuputhur, Trichy District (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kattuputhur Doc No. 728 84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Sri K. S. Kadirval, s.o. Sankaravel Mudaliar, Mudaliar Theru, Kattupudur.

(Transferor)

(2) Captain K. Krishnan, so. Gurusamy Pillai, for-Ex-servicemen Coop, Society, Temporary Director, Nagaiya Nallur Road, Kattupudur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Agrl, land at Kattuputhur, Trichy Dist. Kattupudur Doc. No. 728 84,

Date: 25-2-85.

Seal

निदेश: सं. 4/7/84 .--अत: मुझे. वी. एम. म्त्रामलिंगम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारो को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 र. से अधिक है और जिसकी सं..... है, जो करूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय, मेलकरूर लेख मं. 1741/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई. 1984 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोक्टन विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से यक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए मुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 जब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखत किए गए हैं।

अतः अव धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

- (1) श्री के. सुअमणि (अन्तरक)
- (2) श्री के. काटराय्यन और सुंदरमृति (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :

(क) इस स्वता के राजणब मे प्रकाशन को तारीख में 45 (दन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाण होती है। के भीतर पूर्वीका में से किसी व्यक्ति हारा या

(ख) इस सूत्र कि राजात्र में प्रकाशन की तारीख से • 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अबीहरा क्षरी के पास लिखन में किये जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्यावर सन्नांत के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, याद कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख ओर स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा समात्ति के अन्तरिती की जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जता है कि हर ऐसे व्यक्ति का जिस पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचता दो गई है आक्षेपो की सुनवई केसतय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

## स्यष्टीकरण:

इसमें प्रयुवन शब्दों और पदों का, जे:आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) व अध्याय 20-क्र में यथापरि ाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ग्रनुसूची

भूमि- [ वार्ड, टी. एस. नं. 1190/2 तथा 1190/3 मलरुकर लेख सं. 1741/84, करूर।

तारोख: 25-2-85

मोहर

Ref. No. 4|7|84.—Whereas, I, V. M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-under referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 1st Ward, T. S. No. 1190|2 and 1190|3, situated at Melakarur, Karur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Melakarur Doc. No. 1741 84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely:

- (1) Sri K. Subramani, Lakshmipuram, Karur Town.—(Transferor)
- (2) Sri K. Katrayan and Sundaramurthy, Valiyampudur, Vellaianeri, Thenpagam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

LAND:—I ward, T. S. No. 1190|2 and 1190|3, Malakarur, Karur, Melakarur|Doc. No. 1741|84

Date: 25-2-85.

Seal

मुत्तुरामीलगम, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अधिन बाजार मुल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. टी. एस. 64 (हिस्पा) 65 (हिस्सा), न्यूटी. एस. नं. 27 वार्ड डी ब्लाक 27 है, जो तेन्तूर गाव से स्थित है (ग्रीर इससे उपावस अन सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, श्रोरैयूर लेख सं. 1872/84 में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 16 जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुण्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुष्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐस अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित 'उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दर देने के अन्तरक के दायित्व मे अभी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें रारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए मुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय, 20-क के 20 णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुक् करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभ-लिखित किए गए हैं।

स्रतः श्रव, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा; 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रथीत :—

- (1) श्री बी. आर. राजगोपालन (श्रन्तरक)
- (2) श्री ए. स्वामिनाथ (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कर पूर्वोंक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उनत सम्पत्ति के प्रति भ्राक्षेप, यदि कोई हों तो :

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किसे जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह प्रधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति इस सुचना के उत्तर में किये गए प्राक्षेपो यदि कोई हो की सुनवाई के लिए तारीख भौर स्थान नियत किये जाएंगे भीर उसकी सूचना हर ऐमें व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सुचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पष्टीकरण:---

इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदो का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के श्रध्याय 20-क में यथापीर-भाषित है, वहीं धर्म होगा जा उस श्रध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

भूमि: --टी. एस. 64 (हिस्सा), 65 (हिस्सा) न्यू टी. एन. 27, वार्ड डो., ब्लाक 27, तेन्नूर गाव श्रोरैयूर लेख सं. 1872/84

तारीख: 25-2-85

मोहर

Ref. No. 284 7,84.—Whereas, I V. M. Muthuramalingam being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. T.S. 64(part) 65(Part) New T. S. No. 27, Ward D, Block 27, situated at Thennoor Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Oraiyur Doc. No. 1872 84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such trasfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Sri V. R. Rajagopalan, soo. Sri V. S. Ramasamy, 63, Vengadarathina Nagar, Adyar, Madras 20.—(Transferor)
- (2) Sri A. Swaminath, soo. Sri Annamalai, 11, Vengadachalam Chettiar St. Kottaiyui, Ramanathanpuram.—(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

LAND: T. S. 64 (part) 65 (part) New T.S. 27, Ward D., Block 27, Thennoor Village. Oraiyur. Doc. No. 1872|84.

Date 25-2-85

Seal

निवेश: मं. 1/7/84.--अतः मुझे, वी. एम. मुत्तुरामलिंगम् श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000 रु में प्रधिक है और जिसकी सं. [वार्ड, 46 ब्लाक, तिरूमणिलयुर है, जो अखरटाउन में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टोकर्ता भधिकारी के कार्यालय, मेलकहर लेख सं. 1832/84 में धारतीय रिजस्टीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जूलाई 84 कें: पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के मनुमार मन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह . प्रतिगत प्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य में उक्त बन्तर्य लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के पायित्व में कभी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय, किसी धन या धन्य आस्तियों, को जिन्हें गरतीय भाय-कर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्ध धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था, छिपाने के

लिए सुकर बनाना; श्रीर श्रतः श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के शक्ष्याय 20-क के 20 णब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्री लिखित किए गए हैं।

भ्रतः श्रव धारा 279-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 238-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीन् :—

- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी ग्रर्धनारि चेट्टियार ग्रीर ग्रन्यों (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीपो. रामस्वामि गौंडर श्रीर दूसरे (श्रन्तरिती) को यह मुचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की प्रविधि या तत्मंत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या
- (ख) इस सूवता के राजपव में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबक्त किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रीधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रजैन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किये जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा भागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है। आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने ज ने के लिए अधिकार होगा।

### स्पष्टीकरण :---

्ड्समें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रधितियम र 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही सर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनमची

भूमि और मकान :—— I वार्ड. 8 डिवीजन 46 ब्लाक, तिरुमणिलयूर कहर टाउन, मेलेकहर——लेख सं. 1832/84 तारीख: 25-2-85

मोहर:

Ref. No. 1/7/84.—Whereas, I, V. M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. I Ward, Div. 8, 46 block, situated at Thirumanilayur, Karur Town, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Melakarur Doc No. 1832 84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent cosideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Ardhanari Chettiar, and others soo Arumugham Chettiar, Kamaraj Road, Karur.—
  (Transferor)
- (2) Sri P. Ramasamy Gounder, and another soon Peeriyana Gounder, R. K. Puram, Karur.—
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

LAND and buildings:—J Watd, 8 division, 46 Block, Thirumanilayur, Karur Town. Malakarur Doc. No 1832 84.

Date: 25-2-85

Seal

निदेश सं० 27/7/84 .-- अतः मुझे, बी०एम० मुत्तर -मलिगम आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 43) की धारा 269 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास चरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ह० में श्रिष्ठिक है श्रौर जिसकी सं० f H बार्ड, तिरूमुसम श्रीरंगम है, जो द्रिज्बी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अरिंगम लेख सं 1653/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई 1984 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन आयकर अधिनियम, 1661 (1661 का 43) के अधीन दर देने के अन्तरक के प्रायित्व में क्मी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी निसी थाय, किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ थन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और अतः श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के 20 जब्दों में पूर्वोक्न सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीम- निखन किए गए है।

श्रतः श्रव धारा 279-ग के श्रनुभरण में, मैं, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—

- (1) श्री एन०आर० रंगनाथन पावर एजेटफार श्री एन० श्रीर० कृष्णन (अन्तरक)
- (2) श्री पी॰एन॰ बालनुग्रमणियम (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के व्यर्जन के लिए एनद्वारा कार्यवाहिया शुरू करना हु।

उनन सम्पत्ति के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो तो :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ से 45 दिन की प्रविध या नत्संत्रधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोकन में से किसी व्यक्ति हारा, या।
- (ख) इस सूचना के राजपन म प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एनद्द्वारा यह अधिसुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपो यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीत सूचता दी गई है। आक्षेपों की मृतवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :----

इसमें प्रयुक्त मृद्धों प्रौर पदो का, जो श्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्टयय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उम श्रष्टयाय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

भूमि ग्रीर मकान ,—- II वार्ड, तिरूमुत्तम , श्रीरंगम, द्विच्ची, श्रीरंगम-लेख सं० 1653/84

नारीख: 25-2-85

मोहर

Ref. No. 27/7/84.—Whereas, I. V. M. Muthuramalingam being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No. II Ward, Thirumutham, situated at Srirangam, Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirangam Doc. No. 1653 84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°C of the said Act to the following persons, namely:

- Sri N. R. Ranganathan, Power agent for Sri N. R. Krishnan, Sri Varadhachari, Ranganagar, Srirangam—(Transferor)
- (2) Sri P. N. Balasubramaniam, soo. P. V. Naga-Samy Iyer, 11, Varadachari St., Ranganagar, Srirangam—(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## **SCHEDULE**

Land and building:—II Ward, Thirumutham, Strirangam, Trichy. Srirangam Doc. No. 1653 84.

Date : 25-2-85

Seal

निदेश संख्या 16/7/84.—श्रतः मुझे, वी०ण्म० मुत्तुरामिल्गम श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मंगीन, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क० में मिधिक है श्रीर जिसकी सं० एम० न० 331/1. कृष्णासमृद्रम है जो ट्रिच्ची में स्थित है (इससे उपाबद्ध से श्रीर पूर्ण कप से बर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, तिक्वरस्त्रूर

लेख मं० 2087/84 में भारतीय रिजम्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जूलाई 1984 को पूर्वोक्षन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजम्ट्रीकृत विलेख के अनुमार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत श्रायकर श्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना श्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी आय, किमी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोदत सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखत किए गए हैं।

म्रतः भ्रव धारा 279-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा; 238-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयति :---

- (1) श्री बी० निवासन (श्रन्तरक)
- (2) श्री एन॰ रामदास (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पक्ति के क्रर्जन के लिए एतद्दृहारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो तो :

- /क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त में से किमी व्यक्ति द्वारा, या।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाणन की तारीख भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

एनद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये शाक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत पिषे जाएमे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपो की समबाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---

इसमें प्रयुद्ध गब्दों और पदों का, जो आयं घर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के यथापरि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुमुचो

भूमि .--एस०न० 339/1 कृष्णासमुद्रम गाव, द्रिच्ची निरूवरभ्वर/लेख न० 2087/84

नारीख 25-2-85

मोहर:

Ref. No. 16/7/84 -- Whereas, I V. M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. S. No. 3311, Krishnasanudram, situated at Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvarampur Doc. No. 2087 84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Sri V. Srinivasan, soo. Viswanathan, Block No. 117 and 116, Welpoormodel Township 1771 GI 84-2 Block No 117 and 116, Krishnasamudiam, Trichy.—(Transferor)

(2) Sri N. Ramadoss, so Narasimban, No. 237—42, Block-3 ward, Neyveli—(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

Land .—S. No. 339|1, Krishnasamudram Village, Trichy. Thiruvarambur|Doc. No. 2087|84.

Date: 25-2-85.

Seal :

निदेश सं. 29/7/84 --- अत. मुझे, वी. एम. मृत्त-रामिलगम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचिन बाजार मृह्य 1,00,000 ह . से अधिक है और जिसको स. उक्कड़े अरियमंगलम् है, जो द्रिच्ची डिल्ट्रिक्ट मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिच्चा लेख मं. 1271/84 मे, भारतीय र्राजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के अधीन 16 जुलाई 84 की पूर्वीक्त समात्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच तय पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिविध रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बारत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने के लिए मुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसा किसी आय किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अत अब धारा 271-ग के अनुसरण में, भैं, आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ; 238 घ की उपधारा (1) के अर्धान निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् --

- (1) श्रीमती ए एम. एस पजातिवी (अन्तरक)
- (2) श्रा एम अन्दूल अजीम् (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया सुरू करना हु।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो .

- (क) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होता हो के भोतर पूर्वीकत मे से किसी व्यक्ति ब्रारा या
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमी अन्य व्यांक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सक्तों।

एतद्द्वारा यह अधिसूजित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाऐंगे और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दो जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचनादी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

#### स्पष्टीकरण :---

इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि--- उक्कडै, अभ्यमंगलम, द्रिच्चा डिस्ट्रिक्ट-द्रिच्ची लेख स । 271/84

तारांख . 25-2-85

मोहर:

Ref. No. 29/7/84.—Whereas, I, V. M. Muthuramalingam being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No Ukkadai, Ariyamangalam, situated at Trichy Dist, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy|Doc. No. 1271|84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Smt. A.M.S. Shajathivee, Pirangikulatheru, Trichy—(Transferor)
- (2) Sri M. Abdul Ajeez, Ukkadai, Ariyamangalam, Trichy.—(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Land at '—Ukkadai, Ariyamangalam, Trichy Dist. Trichy Doc. No. 1271/84.

Date . 25-2-1984.

Seal:

निदेश स 2/7/84--अत. मुझे, वा एम मुनुराम-निगम् आयक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. मे अधिक है और जिसकी स कृषि भूमि तान्तोन्ड्री गाव है, जो करुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, मेल कहर लेख स 1785/84 मे भारताय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य मे कम के दृश्यमान पतिफल के लिए रजिस्ट्रोकृत विलेख के अनसार अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का क्षारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचितवाजार मृत्य, उसके दुण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत आधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में भागी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारताय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखन किए गए हैं।

अतः अब धारा 271-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 238-घ की उपधारा (1) के अधान निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्.—

- (1) श्रा पा पलनियप्प गौडर (अन्तरक)
- (2) मैम्समं पद्मावति टेक्सटाइल्स (अन्तरिती)

की यह सूचना अरी कर पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतंद्द्वारा कार्यवाहिया णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क प्रति आक्षेप, यदि कोई हा ता

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त में में किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गयं आक्षेपो, यदि कोई हो को सुनवाई के लिए मार्गाख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसे आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दो जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दो गई है। आक्षेपो को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टोकरण --

इसमे प्रयुक्त णब्दो ओर पदो का, जो आयकर आध-तियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि--तान्तोड्रि गाव, करूर, मैलकरूर--लेख स 1785 /84

तारीख मोहर

Ref. No. 2|7|84.—Whereas, I, V. M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Agricultural land situated at Thanthondri Village, Karur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mela Karur|Doc. No. 1785|84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1, of section 269E) of the said Act to the following persons, namely:—

- Sri P. Palaniappa Gounder, solo. Late, Pachaimuthu Gounder, Kaliappagoundanoor, Thanthondri Village, Karur, Trichy District —(Transferor)
- (2) M|s. Padamavathi Textiles, Rep. By. Managing Partner, Sri G. Sundaram, Trichy district. —(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazerte.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

Agricultural land Thanthondri village, Karur. Melakarur Doc. No. 1785 84.

Date: 25-2-85.

Seal .

निदेश सं. 30/7/84:—अतः मुझे, वी. एम. मुक्तु-रामिलगम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं डोरन 74, शृष्णाम्बुकार तेरु है, जो दिच्ची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचें। में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्रिच्ची लेख म. 1259/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई, 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया ऐसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना;और/या
- (ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अप्तः अब धारा 279-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा; 238-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियौँ अर्थात् ---

- (1) श्री नागेद्र अय्यर और पार्यशारित (ग्रंतरक)
- (2) श्री पदमनाभन् (अंतरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां णुरू-करता हूं।.

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप ,यदि कोई हो तो:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशान की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

एनदद्वारा यह अधिमुचिन किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सुचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवार्ट के लिए तारीख स्थान नियन किये जाएगे और उपकी सचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पन्ति के अन्तरिती को दो जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिमनित किया जाना है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की मूनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पट्टीकरण :---

इसमे प्रयक्त शब्दों और पदो का, जा आपकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकान -- 74, शृण्णाम्बुकार थेम, ट्रिच्ची, दिच्ची---लेख स. 1259/84

तारीख: 25-2-85

मोहर

Ref. No. 30/7/84.—Whereas, I V. M. Muthuramalingam being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and hearing No. Door No. 74, Sunnambukaratheru, situated at Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy Doc. No. 1250 84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferez for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 2691 of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Sri Nagendra Jyer and Parthasarathy, No. 19, 4th Main Road, Gandhinagar, Adyar. (Transferor)
- (2) Sri Padmanabhan, so. Balavenkatrama Chettiar, 10, North-Gujilitheru, Trichy --(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Land and building:—Door No. 74, Sunnambukara Theru, Trichy, Trichy Doc. No. 1259

1

Date: 25-2-85.

नहीं किया गया है।

Seal: 285/जलाई 84:--अत: मसे, बी. एम. मृत्तरामिलगम आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. मे अधिक है और

जिसकी स. डोर नं. 11, वेस्ट III स्ट्रीट, है, पद्दकोठै में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूद्रकोट्टो लेख सं. 1836/84 में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 ( 1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई, 84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित ब्राजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों ) और अन्तरिती (अन्तरितियों ) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निस्नलिखिन उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना;और/या

(ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही णुरु करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति रजहान तूबेगम् (अन्तरक)

(2) श्री वेलायुधम् (अन्तरिती)

की यह मूजना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एवद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो को भीतर पूर्वों कन में से किसी व्यक्ति द्वारा या:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जबत स्थान्त्र सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

एनव्हारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इन्हें रथावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर से किए गए आक्षेपो यदि कोई हो, की ग्नवाई के लिए नारीख और रथान नियद किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अंतरिती को दी जाएंगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिन्यूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति का जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सूचवाई के समय मूने जाने के लिए अधिकार होगा।

#### स्पाटीकरण:--

इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो आयकर अधिनि-यम, 1961 (1961 का 43) के अध्यार 20—क में यथापरिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकान : न्वेस्ट 3,स्ट्रीट टी.एस.नं. 3766, पदुवकोठाठे-लेख मं. 1836/84, पुदुवकोटे-

वारीस : 25-2-85 मोहर

Ref. No. 285 July 34.—Whereas, I, V. M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Epor No. 11, West III St., situated at Pudukkottai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukkettai Doc. No. 1836 84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Smt. Noorjahan Begam, wo. Mohd. Jiyavudeen, West III St. T. S. 3766 Pudukottai.
  —(Transferee)
- (2) Sri Velayudam, s.o. V. Muthiah Chettiar, Rangiyam Vattam, Hirumayam Taluk, Pudukottai. —(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later. (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### **SCHEDULF**

Land and building: West III St., F. S. 3766, Pudukkottai Doc. No. 1836|84|Pudukkottai

Date: 25-2-85

Sea1

निदेग: स 38-7-84 — अन मुझे वी एम मुन्राम-लिगम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का की धारा 269 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी का, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अचित बाजार मल्य 1,00,000 क से अधिक है और जिसकी सं स्ट्रीट, है जो प्रदुक्कोहरै में स्थित है ( ग्रीर इसमें 'उपावद्ध अनुसर्चः मे श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीतर्ना श्रिधवारी के कार्यालय, पुदुक्कोठ्टै लख स. 1710/84 मे भारतीय र्जिस्ट्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1908 सा 16) के अधीन 16 ज्लाई, 1984 का पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य स कम के दुण्यमान प्रतिकल के लिए राजस्ट्रीवृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने. को कारण है कि यथ पूर्विका सम्मात्त का अचित बाजार मुल्य, उसके दुग्यमार प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ब्राधक है श्रीर यह कि अन्तरक (अनारको) श्रीर अन्तरिती (अन्तर-तियों) के बोल तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपन अन्तरण लिखित से वास्तिबक रूप से कथित नहीं निया गया है।

- (क) ग्रन्नरण में हुई किसी ग्राय की बाबन ग्रायकर ग्रिशिनयम 1961 (1961 का 43) के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्नरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना, ग्रार /या
- (ख) ऐसी किसी आय, तिसी धन या अन्य आस्तियो, को, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अत्यक्तर अधिनियम, 1962 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 77) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और अत. अत्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय, 20-क के 20 णब्दों में पूर्वीकर सम्पत्ति के लिए कार्यवाही गुस्त वरने के कारण मेरे द्वारा अतिलिखन किए गए है।

श्रतः, श्रवः, धारा 279-ग क श्रनुसरण म, में स्नायाः र श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 178-घ की उपधारा (1) के श्रधीन नियनीलिक्त व्यक्तियों, श्रथित :--

- । श्री के नटराजन (ग्रन्तरक)
- थ्रिमधरमा सिराजुमुन्तिर, अर्चक कालेज, प्रेसिडेट, श्रब्दुल करीम, रायुत्तर। (श्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतदहारा कार्यवाहिया शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रति प्राक्षेप, यदि कोई हो तो,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ रें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकृत में से किसी व्यक्ति हुए, या
- (ख) इस स्चना के राजपन में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किया जा सकेंगे।

ए।द्द्रारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्यावर सम्पत्ति के प्रजैन के प्रान इस सूचना के उत्तर में किये गये प्राक्षेपो यदि कोई हो की सुनवाई के लिए तारीख प्रोर स्थान नियन किये ज एंगे प्रोर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रामे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐस व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधील सूचता दी गई है प्राक्षेपो की पुतवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा।

स्परदीक्रण :---

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होंगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

भूमि भ्रीर मकान :--बेस्ट II, स्ट्रीट पुतुक्कोर्ठै-पुदुक्कोठ्ठै-लेख स 1710/84।

नारीख · 25-2-85

हमोर :

Ref. No. 38/7/84.-Whereas, I, V. M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. West II St., Pudul kortar situated at Pudukkottai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukkottan Dec. No. 1710/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value or the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value the property as aforesaid apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, T922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269F of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Sri K. Natarajan, slo. K. A. Krishnasamy, Plot No. 1068, Nizam Colony, Pudukkottai. —(Transferor)
- (2) Madarasa Sirajummunir Arabic College. President, Abdul Kareem Ravuthar. West II St., T. S. No. 3869, Pudukkottai.

--(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Land and building:—West II St., Pudukkottai. Pudukkottai|Doc. No. 1710|84.

Date : 25-2-85 Seal :

ंनदेश सं. 39/7/81--अतः मुझे, वं. एम. मृत्तु-रामिलिंगम् अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269 के अवीन मक्षम प्राधिकार। की, यह विक्वास करने का कारण है कि प्यावर संपत्ति, जिनका उचित बाजार म्लय 1,00,000/- र. से अधिक है और जिसके सं. टी. एस० नं७ 2432, 2434 और 2430 (हिस्सा) है, जो पुदक्कोट्टे में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमुख्त मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुक्कोंद्वी लेख सं. , 1708/84 में भारताय रिस्ट्रोकरण अव्धितियम, 1908 ( 1908 भूग 16) के अधीन 16 जलाई, 84 को पूर्वीक्तं सम्पत्ति के उचित बाजार मह्य से कम के दुम्थमान प्रतिफल के लिए रिअस्ट्रीकृत चित्रेख के अनुसार अन्तरिंग की गई है और मुझे यह विख्वास करने को बारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मत्य, उसके दण्यमान प्रतिकल हाः पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच तथ पाया गया एमे अन्तरण के लिए प्रतिफल. निम्मालिखित उद्देश्य भे उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं, कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आथकर . अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन . कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने के लिए भुकर बनाना; और/. या
- (ख) ऐसो किसी आध, किसी घन या अन्य अस्तियो को, जिन्हे भारतं य आय-कर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधितियम, 1967 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिते द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने के लिए भुकर बनाना; और अन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 ष्टब्से में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही णूक करने के कारण मेरे हारा अभिलिखन किए एए है।

अतः अब धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा; 238-घ की उपधारा (1) के अधार निकालियन व्यक्तियों, अर्थान्:—

(1) श्रो पवर एजेन्ट श्रो के.अ.र. गोविदराजन फार श्रो राजगोपाल निष्ठेमान (अन्तरक)

्र श्राम् भेज्यपन् (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनच्छारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर नूचना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति हारा, या
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उनन स्थावर सम्पनि म जिनवड़ किसी अन्थ व्यक्ति द्वारा ,अधोहस्ताधारी के पास लिखिन में सिधी जा सकेंगे।

एतप्डारा थह अधिसुवित किया जाता है कि इस स्वार राज्यान के अर्जन ने प्रति इस पूचना के उत्तर में चित्रे प्रदेश प्रधाने, बाँद कोई हो, की सुन्नाई के लिए तारीख और स्थान का ''तो ऐसा आक्षेत्र क्षिया है तथा रास्पानि के अस्तरता हो ''तो ऐसा आक्षेत्र क्षिया है तथा रास्पानि के

्तर्देश प्राप्त बह अधिमूचन किया गांव है पि हा ऐसे बाला न जिसे पूर्ववर्ती पेपा के अधान प्चार की गई हे आयोग या मूचवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पार्ट करः :

इसमें प्राप्तन मच्दों और पदो का, जो आसकार अधि-राज्यम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय १९८८ में यशापितमांदन है, बहु! अर्थ होना जो उन शब्य ये में दिया गया है।

## अनु मूर्ची

भूमि आर मकान: -- हा. एस. नं. 2431, 2454 और 2430 (हिस्सा) पुराने पैलेस के पश्चिम पुदुनकोठै-नेख मं. 1708/84-पुदुनकोठै।

नारीख: 25-2-85

मोहर:

Ref. No. 39|7|84.—Whereas, I, V. M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 and bearing No. T. S. 2431, 2434 and 2430 (part) situated at West to Old Palace, Pudukkottai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukkottai|Doc. No. 1708|84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason 1771 GI/84—3

to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money; or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269I of the said Act to the following persons, namely:

- Power agent Sri K. R. Govindarajan, slo Ramasany, for the Arthur Thomasiman, Residing at the Cantonment, 4, Lasence Road, Trichy.— (Transferor)
- (2) Sri A. Meyyappan, slo. Sri Adaikalavan Chettiar, Lakshmipuram, Trichy Taluk, Pudukkotai district.—(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A\*\*, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

Land and building:—T. S. No. 2431, 2434 and 2430 (part) West to Old Palace, Pudukkottai, Doc. No. 1708/84, Pudukkottai.

Date: 25-2-85.

Seal:

निदेश मं. 66/7/84---अतः मुझं, वी. एम मत्तरामिलगम् आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 खं के अबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वाम करने का कारण है कि स्थावर नर्पान, जिसका उचित बाबार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सा विल्लानम्मिनम् स्ट्रीट, 34/टी.एस नं. 2291, ब्लाक नं. 11 है, जो भारता स्ट्रीट, तिम्बानैक्सावल मे स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हे), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कर्यालय, श्री रगम-लेख स. 1845/84 में भारताय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1984 की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए र्राजस्दीकृत विलेख के अनसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरका (अन्त-रकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच नय पाया गुणा ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उहेरयों से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (भः) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्सी करने या उससे बचने के लिए मुक्तर बनाना, और/या
- (ख) एसी किसा आय किसी धन या अस्य अन्तियों, की. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 25) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनो द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सूकर बनाना, और अन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-म के 20 शब्दों में पूर्वेक्ति राम्पनि के लिए क्यें को कारण मेरे द्वारा अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-म के 20 शब्दों में पूर्वेक्ति राम्पनि के लिए कायंवाता कर गए है।

अत अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातृ:---

1. श्री राम कृष्णन (अन्तरक)

७ श्री मृत्तुकम्पन् मृदिलियार (अन्तरिती)

को यह मुचना भारी कर पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए एनस्द्रामा कापनादिया श्रम्भ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो तो

(क) तस सुचन। के राजपत में प्रकाणन की नारीख से 45 दन की अर्थाध या नत्सवधी व्यक्तियो

- पर सूचना की तामील में 30 दिन का अबद्ध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भौतर पूर्वोंक्त में से किसी व्यक्ति हारा, या
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समानि मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा गरीगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्प्रति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारास और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दो जाएगी।

णतद्द्वारा आगे यह अधिमुचित निया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिस पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दो गई है अक्षेपों की सुनवाई के सभय मृते जाने के लिए अभिकार होगा।

## स्परहीक्रण :

हममं प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पटो का, जो आयकर अधिनिजम 1961 (1961 का 34) में अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा जी उस अध्यात में दिया गवा है।

## अनमूर्ना

भूमि और मकान — बिल्लिनेम्मुत्तम् स्ट्रीट, ४४.टी. एस ग. ब्लाक न. ४४, भारती स्ट्रीट, निम्बानेस्कवल-५28४ औरगम्-तेख म. 1845/84४

नार्गख . 25-2-85 मंहिर .

Ref. No. 66 7:84.—Whereas, I. V. M. Muthuramalingam being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Vellitherumutham St., Door No. 34, situated at T. S. No. 2294, Block No. 41, Bharathi St. Thuruvanaikayal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirangam, Doc No. 1845-84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe if it the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed

to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the putposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Sri M. Krishnan, so Muthiah Naidu, 32/A, Barathi Theru, Thiruvanaikaval, Trichy 5.— (Fransferor)
- (2) Sri Muthukaruppan Mudaliar, 114[D, Kanniappan Theru, Stuangam, Kilavasal, Srirangam, Trichy 6.—(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.\*
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

Land and building: Vellitherumutham St., Door No. 34, T.S. No. 2294, Block No. 41, Bharathi St., Thiruvanaikaval, Srirangam Doc. No. 1845/84.

Date: 25-2-85.

Seal:

#### V. M. MUTHURAMALINGAM.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai.

सक्षम प्राधिकारी वार्यालय

निरीक्षीय गहायक आयकर आयुक्त (अर्जन) रैज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की धारा 43) की धारा 289 घ (1) के अर्थान सोटिस रोहनक, 18 मार्च 1985

संदर्भ स पानीपन /50/84-85 -- केन्द्रीय संस्कार द्वारा, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिमे आगे उक्त अ**धिनियम कहा जीएगा)** की धारा 269ख के अधोन, इस प्रयोजन के लिए प्राधिकत, सदाम प्राधिकारी होने के कारण, चुकि मुझे, आर के. भयाना, का यह विण्यास नारने का कारण है कि पने। इन्सार, पानीपन पर स्थिन 64 कर. 13 मा० संख्या वाली, एक लाख रु से अधिक के जीवन बाजार मन्य वाली अवल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नाव अनस्वा में दिया गया है। को जिसका अन्तरण ( ट्रास्फर ) और राजिस्ट्रेशन, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पानीपत स्थित कार्यालय में राजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 年 16) क अर्धान को रजिस्ट्रेशन सं. 1893 के अन्तर्गत किया भया है इस सम्पत्ति के ऐसे दृष्यमान प्रतिकल ( एपेरेण्ट कल्मिडरेशन) में किया गया है जो उसके उचित बाजार मन्य के 15 प्रतिणत से भी अधिक नाम है और उसन अन्तरण के लिखत (इस्स्ट्रमण्ट) में ऐसे अन्तरण के प्रतिफल का उल्लेख, अन्तरक (को) और अन्तरिता (तियो) के बीन हुए समझीते के अनुसार निम्नलिखित उद्देश्यों से नहीं निया गया है ---

- (क) इस अस्तरण ( ट्राम्फर ) से अन्तरक का हाने वाली आय के मामले में उक्त अधिनियम के अधीन सर देने के अस्तरक के दायित्व ( लाय-बिलिटि ) को कम करने अथवा उससे बचन की मुबिबा के लिए, और/अथवा
- (ख) किसी ऐसी आय या धन या परिसम्पत्तियां का छिपाने की मुविधा ने लिए, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) अथला उनते अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकट नहीं किया गया था या प्रकट किया जाना नाहिए था।

जतः अब उक्त अधिनिथम की धारा १६० ग के अनु-सरण में में उक्त अधिनिथम की धारा १६० प की इपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अधित:——

(1) श्रीमती भागवन्ती कटारिया पत्नी जे. आर कटारिया, नि. 12, फीरोजगाह रोड, नई दिल्ली-2,

श्री राजेन्द्रनाथ कटारिया पृत्र जे आर. कटारिया, 71. फेंड्स कार्लीनी, सुरेन्द्र कुमार महेन्द्र नाश्र नि 225 स्यू फेन्डस कार्लीनी, नई दिल्ली।

(2) सर्वश्री मोहनताल पुत्र प्रभुदयाल, श्रीमती कृष्ण पत्नी माहन जाल, नरेण क्मार पुत्र रामनाथ, राधेण्याम, पंजाब मल, रचनलाल, मनोहरलाल, राजेन्दर कमार, माय,देवी, सायत्लाल पुत्र लधाराम, नित्रामी—

म नं

34, हरी वाग कालीनी- पानीपन ।

(अन्तरिदी)

(अस्तरक) सर्वर्शी र्यान्त्रसम्बद्धाः सम्बद्धाः स्थापन्। सम्बद्धाः को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मबध में कोई भी आपनि :--

- (क) इस नोटिस के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख में 15 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर नोटिस की नामान के 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस नो टम के राजपद में प्रकाशन को नारीख में 15 दिन के भीतर उबा अनल मस्पति में रिनवद किय जन्म व्यक्ति इति अप्रोहरा असे के रस रिजा के पार महेगा।

स्मारिकरम -- महा प्रमुख स्पर्ध स्था था, विनद प्र १ अन विभिन्तिम हिन कर 20 के से जा भी ा, भी अहे केरा शिए कर में उन से प न इनके परभागिते हें।

्रानुस्त १९५८ - १० ६ १५ ते १३ सर्गे त्रो रि. पती इक्तर, पता चे रिचार १७०० जीव जिल्लाम् १०० खुलावी के कार्वाब कार्यका विल्ली कार्य 1893 F. 7 11-7-91 TF 5 7 6

> ार है. स्थारित सेत्रेस प्राप्त करा निरे गांग परमात सन्धा नायसा(प्रांत रेज, राहतः

दिन।का : 18-3-85. महा.

OFFICE OF THE COMPTIENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE.

Notice under section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

Rohtak, the 18th March, 1985

Ref. No. PNP|50|84-95.—Whereas I, R. Bhayana, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land 64 Kanul 13 Marlas situated at Patti Insar, Paninat (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat und.r Registration No. 1893, dated 11-7-1984 for an apparent c' ideration which is less than the fair market value c' the aforesaid property by more than fifteen per ent of such apparent consideration and that the consideraion for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transferee with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I herely, initiate proceedings for the acquisition of the isold populty by the issue of this notice under sub-oction (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely.

- (1) Smt. Bhagwarti Kataria w.o J. R Kataria, ro 12, Foror shah Read, New Delm-2 Shri Rajerder Noth Kataria sio J. R. Katana, r'o 71, Funds Colon, New Della. Shri Suriader Kumar & Mahender Nath, Rio 225, Year Hilands Colony, New Delhi Fransfero.
- (2) Shri Mohan Lal so Prabliu Dayal, Smt. Krishaa woo 'a hua Lal, Naush Kumar so Ram Noth, Badley Shom, Punjab Mal, Rafton Lol, Morshar Lol, Prepader Comor, Maya Devi, Sa i Lal so Ladha Ram, Rlo H. No. 33, Uati Bagh Colony, Panipat.

Objections, if an,, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforestid persons within o period of 45 days fight the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person, whichever period espues later.
- (b) by any other person interested in the said immovable proper'y, within 45 days from the date of the princation of this notice in the Official Gazerte.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Property being land measuring 64 Icanal, 13 Marlas situated at Pa ti Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1893 dated 11-7-1984 with Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Dated: 18-3-1985.

Seal: